dainikbhaskar.com

16 पानीपत-रोहतक बुधवार, 11 मई 2011 · अटेलीमंडी . नांगल चौधरी . कनीना . सतनाली . गोदबलाहा . निज़ामपुर

बुधवार | पानीपत-रोहतक, 11 मई, 2011 वैशाख, शुक्ल पक्ष, अष्टमी, 2068

दैनिक भास्कर

एक लीटर में 150 किलोमीटर दौड़ेगी बाइक

तकनीक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने 12 हजार रुपये की लागत से साइकिल को बना दिया धुआं रहित मोटरसाइकिल

भास्कर न्यूज | **कनीना**

डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल विभाग के विद्यार्थियों ने धुआं रहित बाइक बनाने में सफलता पाई। इस बाईक में पहिए साइकिल के इस्तेमाल किए गए हैं। इसकी रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। जिसका मंगलवार कॉलेज में युवा आविष्कारों ने प्रदर्शन भी किया।

कॉलेज विद्यार्थी हर्षित, रजनीकांत, विनीत बंसल, कृष्ण कुमार, मनिंद्र सिंह व बबीता तंवर ने एक ऐसी बाइक बनाई है। जिसमें आगे साइकिल का और पीछे मोटरसाइकिल का पहिया लगाया गया है। इस नए आविष्कार को प्रवक्ता कुलदीपसिंह की देखरेख में बनाया गया है। जिस पर 12 हजार रुपए की लागत आई है। मंगलवार अपने इस नए अनुसंधान के विषय में विद्यार्थियों ने सबको जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि बाइक का वजन घटाने के लिए साइकिल का हैंडिल, चेसिस और बाइक में लगने वाले टायर का इस्तेमाल किया गया है। जिससे बाइक का वजन 120 किलोग्राम से घटकर 55 किलोग्राम हो गया है। उन्होंने चेन ड्राइव में सामान्य 14:38 के अनुपात को बदल कर 15:38 अनुपात किया है। उन्होंने बताया कि बाइक के फॉर स्ट्रोक इंजन के कार्बोरेटर में परिवर्तन करते हुए ईंधन और हवा के मिश्रण को नियंत्रित करके न्यूनतम ईंधन का प्रयोग कर अधिकतम ऊर्जा उत्पन्न की। इसलिए बाइक को दो सीटर की बजाय एक सीटर बनाया गया है। मोटर बाइक का डिजाइन यथासंभव एरोडायनामिक के अनुसार किया गया है। इस बाइक की औसत 150 किलोमीटर प्रति लीटर है। बाइक 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है।

कनीना . साइकिल को संशोधित कर बनाई गई बाइक के साथ छात्रों की टीम।

अनुसंधान का सपना

कुलदीप सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही रिसर्च जिसके द्वारा ब्राउन गैस के ईंधन पर आधारित मोटरसाइकिल के विकास की दिशा में डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र प्रयासरत है। इस अनुसंधान की सफलता के साथ ही भविष्य के ईंधन आधारित बहुप्रतिक्षित सपना मूर्त लेगा। इस प्रयोग के सफल होने पर बाइक की औसत 150 किलोमीटर प्रति लीटर से बढ़कर 200 किलोमीटर प्रति लीटर से अधिक हो जाएगी।

The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

New Delhi, Friday May 20, 2011

Students design bike with 150 km mileage

Students of mechanical engineering in the DAV College of Engineering and Technology, Kanina, pose with their newly designed motorcycle at Rewari. Tribune photo

NAWAL KISHORE RASTOGI

REWARI, MAY 19

Working on a specified project under the supervision of Prof. Kuldeep Singh, six final-year students, Mandeep Singh, Krishan Kumar, Harshit, Vineet Bansal, Rajni Kant and Babita Tanwar, of mechanical engineering in the DAV College of Engineering and Technology, Kanina, 35 km from Rewari, have successfully designed a motorcycle, which is superbly endowed with a mileage of 150 km per litre.

Further, with an enhanced use of brown gas as fuel, the mileage of the motorcycle is expected to go up to 200km per litre.

It is noteworthy that with an appropriate replacement of its handle, chassis and front tyre, the students have admirably reduced its weight from 120 kg to 55 kg. While some valuable adjustment has also been executed into its carburetor to decimate the use of fuel while maximising the use of air.

While its chain-drive transmission has been altered from 14:38 to 15:38, aerodynamics has also been put to use to reduce the air pressure. The motorcycle has been converted into a single-seater bike as well.

DAVCET principal Paramjit Singh Sehra has felicitated Prof. Kuldeep Singh as well as the students on the accomplishment of their typical project leading to the emergence of a motorcycle with an enhanced mileage.

DAVCET, Kanina

WONDER BIKE

जागरण सिटी

रेवाड़ी/नारनौल

12 | दैनिक जागरण नई दिल्ली, 11 मई 2011

कनीना डीएवी कालेज के छात्रों ने बनाई अनूठी बाइक

कनीना, संवाद सहयोगी : डीएवी इंजीनियरिंग कालेज कनीना के मेकेनिकल विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने एक ऐसी खास मोटरसाइकिल तैयार की है, जो धुआं रहित है। एक लीटर में लगभग 150 किलोमीटर तक चलने वाली यह बाइक 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है।

छात्रों ने मंगलवार को सफलता पूर्वक चलाकर बाइक का प्रदर्शन किया। मंगलवार को कनीना डीएवी इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों हर्षित, रजनीकांत, विनीत बंसल, कृष्ण कुमार, मनिंद्र सिंह एवं बबीता तंवर ने उनके द्वारा बनाई गई बाइक का प्रदर्शन किया। इस बाइक में आगे साइकिल के पहिये व पीछे बाइक में आगे लगने वाले पहिये का इस्तेमाल किया है। छात्रों ने बताया कि इसके ऊपर लगभग दस से 12 हजार रुपये की लागत आई है। छात्रों ने बताया कि प्रवक्ता कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रयोग सफल हो सका है। छात्रों द्वारा बाइक के सफल प्रदर्शन करने पर कालेज प्राचार्य डॉ. परमजीत सिंह सेहरा ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

प्रवक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि इस अनुसंधान में प्रयोग की गई विधि में मोटरसाइकिल का वजन घटाने के लिए साइकिल का हैंडिल, चेसिस व बाइक में लगने वाले टायर का इस्तेमाल किया गया है। जिससे बाइक का वजन 120 किलोग्राम से घटकर 55 किलोग्राम हो गया है। उन्होंने बताया कि बाइक के फार स्ट्रोक इंजन के कार्बोरेटर में परिवर्तन करते हुए ईंधन और हवा के मिश्रण को नियंत्रित करके न्यूनतम ईंधन का प्रयोग कर अधिकतम ऊर्जा उत्पन्न की। बाइक को दो सीटर की बजाय एक सीटर बनाया गया है।

कमाल कर दिया

- 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है बाइक

बाइक का प्रदर्शन करते डीएवी इंजीनियरिंग कालेज कनीना के छात्र।

पंजाब केसरी

दिल्ली

11 मई, 2011, बुधवार

हरियाणा तीन

छात्रों ने हवा से बातें करने वाली बाइक बनाई

कनीना, (निसं): डीएवी इंजीनियरिंग कॉलेज कनीना के मैकेनिकल विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों ने धुआं रहित, लगभग 150 किलोमीटर प्रति लीटर चलने व 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली बाइक बनाई है जिसको आज उन्होंने सफलता पूर्वक चलाकर प्रदर्शन किया। डीएवी इंजी. कॉलेज कनीना के छात्रों हर्षित, रजनीकांत, विनीत बंसल, कृष्ण कुमार, मनिंद्र सिंह एवं बबीता तंवर ने बताया कि बनाई गई बाइक आगे साइकिल के पहिए व पीछे बाइक में आगे लगने वाले पहिए का इस्तेमाल किया है। छात्रों ने बताया कि इसे लगभग दस हजार से बारह हजार रुपए की लागत से तैयार किया है। छात्रों द्वारा बाइक के सफल प्रदर्शन करने पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. परमजीत सिंह सेहरा ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस संदर्भ में प्रवक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि इस अनुसंधान में प्रयोग की गई विधि में मोटरसाइकिल का वजन घटाने के लिए साइकिल का हेंडिल, चेसिस ओर बाइक में लगने वाले टायर का इस्तेमाल किया गया है जिससे बाइक का वजन 120 किलोग्राम से घटकर 55 किलोग्राम हो गया है। उन्होंने चैन ड्राइव में सामान्य 14:38 के अनुपात को बदल कर 15:38 अनुपात किया है। उनहोंने जानकारी देते हुए बताया कि बाइक के फोर स्ट्रोक इंजन के कार्बोरेटर में परिवर्तन करते हुए ईंधन और हवा के मिश्रण को नियंत्रित करके न्यूनतम इंधन का प्रयोग कर अधिकतम उर्जा उत्पन्न की। उन्होंने बताया कि इस बाइक को दो सीटर की बजाय एक सीटर बनाया गया है। मोटर बाइक का डिजाइन यथासंभव ऐरोडायनामिक के अनुसार किया गया है जिससे हवा का दबाव कम से कम रुकावट बने।

उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही रिसर्च जिसके द्वारा ब्राउन गैस के ईंधन पर आधारित मोटरसाइकिल की विकास की दिशा में डीएवी इंजी. कॉलेज कनीना के प्रवक्ता एवं छात्र प्रयासरत है। इस अनसंधान की सफलता के साथ ही भविष्य के इंधन आधारित बहुप्रतीक्षित सपना मूर्त लेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रयोग के सफल होने पर बाईक की औसत 150 किलोमीटर प्रति लीटर से बढ़कर 200 किलोमीटर प्रति लीटर से अधिक हो जाएगी।